अपनी बात

सेन्ट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड की पत्रिका

अंक : 497 वर्ष 39

राँची, 31 अक्टूबर, 2015 विशेषांक

सतर्कता जागरूकता सप्ताह का शुभारंभ

मुख्यालय में सतर्कता जागरूकता मार्च में भाग लेते सीसीएल कर्मी

सीसीएल के मुख्य सतर्कता पदाधिकारी श्री अरबिन्द प्रसाद के मार्ग–. निर्देशन में विगत 26 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2015 तक मुख्यालय, राँची, केन्द्रीय अस्पताल, गांधीनगर, एम.आर.एस., रामगढ़ तथा सीसीएल के सभी 12 क्षेत्रों एवं परियोजनाओं में ''सतर्कता जागरूकता सप्ताह'' का शुभारंभ कार्य–कलापों के प्रत्येक क्षेत्र में ईमानदारी, पारदर्शिता एवं भय अथवा पक्षपात के बिना भ्रष्टाचार उन्मूलन के लिए निर्बाध रूप से कार्य करने की प्रतिज्ञा के साथ किया गया।

मुख्यालय में कार्यक्रम के प्रारंभ में मुख्य अतिथि सीएमडी सीसीएल, श्री गोपाल सिंह ने सभी कर्मियों को सतर्कता जागरूकता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर सीसीएल कर्मियों को संबोधित करते हुए श्री गोपाल सिंह ने कहा कि हम सभी की जिम्मेदारी है कि हम सचेत रहते हुए ईमानदारी, समझदारी, जिम्मेवारी और पूर्ण पारदर्शिता के साथ अपना कार्य करें। उन्होंने कहा कि कंपनी के हितों की रक्षा सर्वोपरि है। मौके पर निदेशक (तकनीकी/संचालन) श्री पी.के. तिवारी ने भारत के माननीय राष्ट्रपति महोदय श्री प्रणव मुखर्जी द्वारा जारी संदेश को पढ़कर सुनाया, निदेशक (तकनीकी–योजना/परियोजना) श्री सुबीर चन्द्रा ने उप–राष्ट्रपति महोदय श्री हामिद अंसारी, निदेशक (वित्त) श्री डी.के. घोष ने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा जारी संदेश को जबकि मुख्य–महाप्रबंधक (संचालन) श्री पी.के. गुईन ने केंद्रीय गृह मंत्री श्री राजनाथ सिंह के संदेश को पढ़कर सुनाया। मुख्य सतर्कता पदाधिकारी श्री अरबिन्द प्रसाद ने इस अवसर पर मुख्य सतर्कता आयुक्त के संदेश को पढ़कर सुनाया।

उन्होंने सीसीएल मुख्यालय, रांची तथा सभी क्षेत्रों में आयोजित किए जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी तथा बताया कि इस वर्ष ''सतर्कता जागरूकता सप्ताह'' का मुख्य थीम है ''प्रिवेन्टिव विजिलेंस–सुशासन का एक प्रभावी उपाय'' **(Preventive Vigilance as a tool of good governance)**। उन्होंने कहा कि सतर्कता विभाग का यह सतत प्रयास रहा है कि कंपनी के सभी कर्मी निर्भय होकर नियम एवं कानून का पालन करते हुए अपना कार्य करें।

अवसर विशेष पर ''सतर्कता जागरूकता मार्च'' मुख्यालय दरभंगा हाउस से जवाहर नगर कॉलोनी तक आयोजित की गई जिसे मुख्य अतिथि श्री सिंह ने हरी झंडी दिखाकर (Flag off) विदा किया। सतर्कता जागरूकता मार्च में मुख्य सतर्कता पदाधिकारी, निदेशक (तकनीकी/संचालन) निदेशक (तकनीकी–योजना/परियोजना), निदेशक (वित्त) सहित बड़ी संख्या में कर्मियों ने उत्साह से भाग लिया।

इस अवसर पर मुख्यालय के एच.आर.डी. विभाग में ''रोल ऑफ मोरल वेल्यू एण्ड ऐथिक्स इन गुड गवरनेंस'' पर निबंध प्रतियोगिता तथा क्वीज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

''टॉक शो'' का आयोजन

सीएमडी श्री गोपाल सिंह सभा को संबोधित करते हुए

विगत 30 अक्टूबर मुख्यालय के ''विचार मंच'' में सतर्कता जागरूकता सप्ताह के पांचवें दिन सीसीएल द्वारा एक ''टॉक शो'' का आयोजन किया गया। इस ''टॉक शो'' में ''प्रिवेन्टीव विजिलेंस–ए टूल ऑफ गुड गर्वनेंस (Preventive vigilance-a tool of good governance)" पर चर्चा हुई। इस टॉक शो में मुख्यालय से महाप्रबंधक/विभागाध्यक्ष एवं क्षेत्र के महाप्रबंधक/अधिकारीगण तथा अन्य कर्मियों ने भाग लिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सीएमडी श्री गोपाल सिंह, मुख्य सतर्कता पदाधिकारी श्री अरबिन्द प्रसाद एवं अन्य निदेशकगण ने सतर्कता पत्रिका ''कायाकल्प पत्रिका'' का विमोचन किया।

मुख्य अतिथि श्री गोपाल सिंह ने अपने संबोधन में सभी से कहा कि कार्यनिष्पादन के दौरान नैतिकता निष्पक्षता, पारदर्शिता और लोकोपकारिता को ध्यान में रखकर जो भी निर्णय हो वह सकारात्मक होता है– कंपनी और समाज के हित में होता है। उन्होंने कहा कि अच्छा कार्य संचालन (Good Governance) ही प्रिवेन्टीव विजिलेंस है।

सीवीओ श्री अरबिन्द प्रसाद सीसीएल कर्मियों को संबोधित करते हुए

मुख्य सतर्कता पदाधिकारी श्री अरबिन्द प्रसाद ने उपस्थित सभी को संबोधित करते हुए कहा कि कार्यकलाप के विभिन्न स्तर पर नियत्रंण भी प्रिवेन्टीव विजिलेंस है और सतर्कता विभाग सीसीएल के मुख्यालय के साथ–साथ सभी क्षेत्रों में प्रिवेन्टीव विजिलेंस के प्रति कर्मियों को जागरूक करता रहा है। तकनीकी प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल जैसे – आर.एफ.आई.डी., व्हेकिल ट्रैकिंग सिस्टम, ई–प्रॉक्यूर्मेंट आदि द्वारा यह कार्य किया जा रहा है। श्री प्रसाद ने कहा कि संवेदनशील पदो पर कर्मियों का रोटेशन भी प्रिवेंन्टीव विजिलेंस का एक अंग है। उन्होंने सीसीएल के ई–प्रॉक्यूर्मेंट पॉलिसी की प्रशंसा करते हुए कहा कि मुझे गर्व है कि सीसीएल में दो लाख के ऊपर का टेंडर ई–प्रॉक्यूर्मेंट के द्वारा पूर्णतया किया जाता है।

इस ''टॉक शो'' कार्यक्रम के दौरान सीएमडी श्री गोपाल सिंह ने निबंध प्रतियोगिता, क्वीज प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागियों को प्रमाण–पत्र एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया। प्रथम बार सतर्कता विभाग ने कंपनी के अधिकारियों को उत्कृष्ट कार्य करने के लिए ''विजिलेंस एक्सलेंस अवार्ड'' प्रदान कर सम्मानित किया।

''ई–टेंडरिंग विथ रिवर्स ऑक्सन मोड'' पर कार्यशाला

दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए सम्मानीय अतिथिगण

विगत 28 अक्टूबर को मुख्यालय के ''विचार मंच'' में ''सतर्कता जागरूकता सप्ताह–2015'' के तीसरे दिन ''ई–टेंडरिंग विथ रिवर्स ऑक्सन मोड "e-Tendering with Reverse Auction Mode" पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य सतर्कता पदाधिकारी श्री अरबिन्द प्रसाद, निदेशक (वित्त) श्री डी.के. घोष, निदेशक (तक./संचा.) श्री पी.के. तिवारी, निदेशक (कार्मिक) श्री आर.एस. महापात्र, निदेशक (तक.–योजना/परियोजना) श्री सुबीर चन्द्रा के अतिरिक्त मुख्यालय के महाप्रबंधक/विभागाध्यक्ष तथा विभिन्न क्षेत्रों से आए सभी विभागों के अधिकारीगण उपस्थित थे।

मुख्य सतर्कता पदाधिकारी श्री अरबिन्द प्रसाद ने अपने संबोधन में प्रिवेन्टीव विजिलेंस को परिभाषित करते हुए कहा कि यह एक ऐसा टूल है जिसमें हम सभी को गलत कार्य करने से परहेज करना है और कंपनी के इंटरनल प्रोसेस में पारदर्शिता लाने के लिए और प्रयास करना है। मुख्य सतर्कता पदाधिकारी ने बताया कि सी.एम.सी. विभाग 2010 से e-Tendering with Reverse Auction के द्वारा सराहनीय कार्य कर रहा है।

निदेशक (वित्त) श्री डी.के. घोष ने अपने संबोधन में कहा कि 'सतर्कता जागरूकता' को व्यवहारिक रूप में अपनाने की जरूरत है और हमारा प्रयास होना चाहिए कि कंपनी के पास किसी भी तरह की शिकायत नहीं मिले।

वरीय प्रबंधक (खनन) सी.एम.सी. विभाग के श्री के.एस. गेवाल ने पावर प्रजेटेंशन के माध्यम से "e-Tendering with Reverse Auction Mode" पर प्रकाश डाला। मेसर्स एम–जंक्सन सर्विसेस के प्रतिनिधि ने रिर्वस ऑक्सन के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

संवाद–सत्र का आयोजन

विगत 31 अक्टूबर को ''सतर्कता जागरूकता सप्ताह'' के अंतिम दिन ''विभागीय इन्क्वायरी और उससे जुड़े मुद्दो'' पर संवाद–सत्र का आयोजन एम.टी.सी., हॉल, मुख्यालय में हुआ। सत्र की अध्यक्षता श्री बी.एन. मिश्रा सेवानिवृत महाप्रबंधक (सतर्कता) कोल इंडिया ने की। सत्र में विभिन्न क्षेत्रों एवं मुख्यालय के 50 से अधिक अधिकारियों ने भाग लिया।

श्री मिश्रा ने सत्र के दौरान प्रिसिंपल ऑफ नेचुरल जस्टिस, विभागीय इन्क्वायरी की प्रक्रियाओं एवं चार्जशीट तैयार करने जैसे मुद्दों पर संवाद किया और विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को कार्यनिष्पादन में पारदर्शिता और निष्पक्षता लाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने उपस्थित सभी अधिकारियों को अपने लंबे कार्य–अनुभव से अवगत कराया।

सत्र में उपस्थित अधिकारियों को संबोधित करते हुए मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री अरबिन्द प्रसाद ने कहा कि विभागीय इन्क्वायरी में किसी भी प्रकार का विलंब नहीं करना चाहिए ऐसा करना प्रबंधन एवं संबंधित कर्मचारी दोनों के हित में नहीं होता है।

सम्पादक : दीपक कुमार, प्रबंधक (जनसम्पर्क) जनसम्पर्क विभाग ● सहायक सम्पादक : निशा रंजन, सहायक प्रबंधक (कार्मिक), सीसीएल, दरभंगा हाउस, राँची द्वारा प्रकाशित एवं सीसीएल प्रेस, राँची में मुद्रित। (आंतरिक वितरण हेतु)